



दैनिक

वार्दीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

# ट्रिटिज विज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्लू प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -14 जबलपुर, मंगलवार 11 फरवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

चाकघाट और चित्रकूट से रेंग-रेंगकर बढ़ने लगे वाहन, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर व सिवनी से भी यातायात बहाल

## प्रयागराज में बेकाबू भीड़, ट्रैफिक जाम से श्रद्धालु परेशान

प्रयागराज. (आरएनएस)। महाकुंभ मेले के दौरान रविवार को प्रयागराज के विभिन्न मार्ग पर कई किलोमीटर तक लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला. भारी भीड़ के कारण प्रयागराज संगम रेलवे स्टेन को भी अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा. मेला प्रशासन के अनुसार, रविवार शाम 8 बजे तक 1.57 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके थे, जबकि 13 जनवारी से 9 फरवरी तक कुल 43.57 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं. ट्रैफिक जाम का असर सोमवार को भी चलता रहा.

महाकुंभ में भारी जाम की स्थिति पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार से आपातकालीन व्यवस्था की मांग की. उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्रिवर) पर लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में फर्से करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए उत्तर आपातकालीन व्यवस्था को जाए. हर तरफ जाम में भूखे-प्यासे, बेहाल और थके तीर्थयात्रियों को मानवीय दृष्टि से देखा जाए. अम श्रद्धालु बया इंसान नहीं हैं?

प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए श्रद्धालुओं वालों को बेतहाशा भीड़ के कारण मध्य प्रदेश में उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में तीन दिनों से बना ट्रैफिक



जाम सोमवार दोपहर तक तो विकराल रूप लिए रहा लेकिन उसके बाद महाकुंभ में भीड़ का दबाव कम हुआ तो युलिस-प्रायासन ने बैरिकेडिंग हटाकर बाहनों को आगे बढ़ावा दिया। इसके बावजूद भी टोल नाकों और बैरिकेडिंग वाले घास्टों पर बड़ी संख्या में बाहनों का जमघट है, इसलिए बाहन रेंगते हुए ही

आगे बढ़ पा रहे हैं। रीवा जिले में चाकघाट और चित्रकूट से बाहनों को बेहद धीमी रफ्तार में आगे बढ़ावा जा रहा है।

रविवार को ट्रैफिक की रफ्तार ऐसी रही कि बाहन आठ घंटे में महज 20 किलोमीटर ही रेंग पाए।

सोमवार को सुबह भी रीवा के चाकघाट, सतना,

मेहर, कटनी और सिवनी जिलों में भी बायपास पर बाहनों की रवानगी रोक दी गई थी। मैहर में अमदरा के पास तो कटनी में चाका बायपास और धनगढ़ा में बाहनों को रोका गया था। सिवनी में भी बायपास पर बाहनों के पहिए थमे रहे, लेकिन सोमवार को दोपहर महाकुंभ स्थल और प्रयागराज में बाहनों की संख्या कम होने की सूचना मिली तो अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को लगाकर चाकघाट और चित्रकूट से बाहनों की रवानगी शुरू कराई। नवीजन, जबलपुर और रीवा संभाग के सभी जिलों में बैरिकेडिंग समाप्त कराई गई। ट्रैफिक आगे बढ़ाने के लिए चाका बायपास पर यात्री बाहनों को आगे बढ़ावा दिया। लेकिन यहाँ ट्रैफिक बाहनों को कतारबद्ध रूप से बिनारे खड़ा करवाकर रोक दिया गया, यद्यपि दोपहर बात धीरे-धीरे मालवालक बाहनों को भी उनके गंतव्य के अनुसार रवाना किया जाने लगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए व्यवस्थाओं के निर्देश कहा- कंट्रोल रूम बनाएं।

इस काम को ट्रैफिक की रफ्तार ऐसी रही कि बाहन आठ घंटे में महज 20 किलोमीटर ही रेंग पाए। व्यवस्थाएं महाकुंभ के पूरा होने तक जारी रहे।

**महाकुंभ पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू, लगाई संगम में डुबकी, किया पूजन**



प्रयागराज.(आरएनएस)। आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया. इसके बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से महाकुंभ क्षेत्र परिव्रत्र संगम में आस्था की डुबकी का साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे. महाकुंभ में स्नान करने वाली वह देश की दूसरी राष्ट्रपति बनी, इससे पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संगम स्नान किया था। राष्ट्रपति मुर्मू सुबह विशेष विमान से बर्मरोली एयरपोर्ट पहुंची, जहाँ राज्यपाल अनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी भी किया गया।

राष्ट्रपति ने अक्षयवत के दस्तावेज के उन्होंने अंतरित किए गए बाहनों के खाते में अंतरित किए 1553 करोड़ रुपए।

**हमारी सरकार का संकल्प है हर हाथ को काम, हर खेत को पानी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव**

जब बस नहीं आई तो दोनों बहने दूसरी बस को रुकवाकर उसमें बैठ गई. बस में बैठे ही दोनों बहनों ने कबड्डीटर को किराया लेकिन उसने किराया लेने से मना कर दिया. दोनों बहन अपनी सीट पर बैठी बातचीत कर रही थीं, इस दौरान एक युवकों द्वारा छात्राओं को घुरे हुए अस्तील टिप्पणियां करने लगा. हड्डों जे बाहनों को रोके के लिए कहा, बाहन नहीं रोका गई तो दोनों बहनों ने चलती बस से छलांग लगा दी. बच्चियों को चलती बस से कूदते देखे राह चलते लोगों में चीख पुकार मच गई. देखा तो दोनों बहनों के सिर, हाथ, पैर, पीठ, चेहरे पर गर्मी की बालू लागी है. खबर लिया गया है. खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंच गए, जिन्होंने पूछताल के बाद तीन आरोपियों को गिरफतार कर लिया है, एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीम संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है. घटना को लेकर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बस पर्यावरण की है. जो दमोह के ज्ञान पर्यावरण की है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार किसानों को सिंचाई के

भोपाल.(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार के देवास के सोनकच्छ के ग्राम पीपलरांवा से एक करोड़ 27 लाख लाडली बहनों के खाते में 1553 करोड़ रुपए, 56 लाख सामाजिक सुक्ष्म पैशेंश हिताहाइयों के खाते में 337 करोड़ रुपए और 81 लाख किसानों के खाते में 162 करोड़ रुपये सिंगल विलक से अंतरित किये। उन्होंने कार्यक्रम में 144.84 करोड़ रुपये लागत के 53 कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जंजीत संगर परियोजना से आस-पास के गांवों को सिर्चाई के लिए पानी मिलेगा। क्षेत्र में हरियाली छायेगी और किसान समझदार होगा। उन्होंने कहा कि कि पारस्पर युद्ध से अंतरित किये। उन्होंने कार्यक्रम में 1 लाख 27 करोड़ लाडली बहनों, 56 लाख सामाजिक सुक्ष्म पैशेंश हिताहाइयों, 81 लाख किसानों को 2054 करोड़ रुपये से अधिक के लिए कराया गया है। इस काम को किसानों के लिए एक जंजीत संगर परियोजना के लिए एक खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। इस बार किसानों के सामर्थन मूल्य होगा 2600 रुपए होंगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य ही रह खेत को पानी और बिजली की सुविधा मिले तो किसान समृद्धशाली होंगे और फसलरूपी सोना जरूर मिलेगा।

लिए पर्यावरणी और बिजली उपलब्ध करा रही है। हमारे पूर्व व्रद्धालय के गांव, एक-एक खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। इस बार किसानों के लिए गहंग का समर्थन मूल्य होगा 4000 रुपए होंगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की 76 लाख बहनों को सामाजिक सुरक्षा चेंशन हिताहाइयों के लिए प्रदेश में आगे बढ़ावा दिया जाएगा। इस बारे में कोई गहंग का नहीं रहने देखा जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुल खेत की सुविधा मिले तो काम और हर खेत को पानी देना है।

एक अन्य 70 हजार करोड़ रुपए की पारवी-कालीनसं-चंबल योजना पर भी मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रदेश

कार्य शुरू हुआ है। प्रदेश के प्रत्येक के गांव, एक-एक खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। इस बार किसानों के लिए गहंग का समर्थन मूल्य होगा 2600 रुपए होंगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य ही हाथ को काम और

केन्द्र-बेतवालिंग की तरफ हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुल खेत की सुविधा मिले तो काम दिया जाएगा।

एक अन्य 50 लाख आवादी आवादी भी कोई गहंग हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुल खेत की सुविधा मिले तो काम दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य ही हाथ को काम दिया जाएगा है।

तिरुपति मंदिर-लद्दू विवाद में एसआईटी ने 4 लोगों को पकड़ा, टेंडर के साथ ही शुरू हो गई थी गड़बड़ी

तिरुपति (आरएनएस)। तिरुपति मंदिर के प्रसिद्ध लद्दूओं में पशु चाली डेवरी के आरोपीं के बाद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत लद्दूओं के बारे में कोई गहंग का नहीं रहने देखा जाता है। इस बारे में एसआईटी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफतार किया गया।

पहचान भोले बाबा डेवरी क







महाकृष्ण नगर। बसंत स्नान के बाद गुरुवार से फिर संस्कृति का महाकृष्ण होगा, जिसमें देश की विविध संस्कृतियों का संगम होगा। गंगा पंडाल पर चल रहे मुख्य आयोजन को लेकर संस्कृति विभाग ने एक बार फिर तैयारी पूरी कर ली है। अगले चार दिन तक देश के नामचीन कलाकारों को प्रस्तुतियों से महाकृष्ण की साझा सजेंगी। 7 को डाना गांगुली, 8 को कविता कृष्णमूर्ति, 9 को सुरेश वाडेकर, सोनल मान सिंह व 10 को हारिहरन प्रस्तुत होंगे। 11 से 13 फरवरी तक सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित होंगे।

## वक्फ संपत्ति पर विवाद

वक्फ कानून में संशोधन को लेकर बनाई गई संयुक्त संसदीय समिति की आखिरी बैठक में जबरदस्त हंगामा हुआ। दस विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने के बाद बैठक सुचारू रूप से चली।

भाजपा नेतृत्व वाले एटीए के चौदह प्रस्ताव पारित कर दिए, जबकि विपक्ष के तत्फ़र रखे सभी 44 प्रस्ताव खारिज कर दिया गया। वक्फ बोर्ड से प्रस्तावित दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को हटाने के सुझाव प्रमुख थे, जिन्हें नामित करने के प्रस्ताव कानून में उकाने का प्रस्ताव है। वक्फ संपत्ति पर विवाद होने पर कलेक्टर बनाने का अधिकारी जांच करेगा। यह कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं होगा। जो वक्फ की संपत्तियां पंजीकृत नहीं हैं, उनका पंजीकरण शुरू होगा। जिन संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा है, वे वापस मालिकों को मिल सकते। आरोप लगाया जा रहा है कि ये प्रस्तावित कानून व्यधिक के दमकारी चरित्र का बरकरार रखेगा और मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हक्केषेप करने प्रयास करेगा। विपक्ष का विरोध कर रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पाठ पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। वे संसद से मंजूरी मिलने पर सुनील कोर्ट जाने की धमकी दे रहे हैं।

जैसा कि भाजपा का गोपनीय के बोट बैंक की राजनीति में सुराख करने व गरीब मुसलमानों को उनका हक दिलाने के नाम पर इसे कानून बनाने की मशक्त लंबे समय से कर रही है। तामां विरोधों के बावजूद कुछ लोग कवितास्तान में होने वाले अतिक्रमों व जबरन को जा रही अनिधिकृत कब्जोंदारों से निजात पाने के लिए इस निर्णय से खुश भी हैं। वक्फ संपत्तियों के प्रशासन व प्रबंधन के उद्देश से संशोधन विधेयक 2024 को लेकर अभी भी बड़ी जूनीतियां बनी हुई हैं।

## ममता कुलकर्णी की नई शुरुआत

अमरपाल सिंह वर्मा

कई लोग सफलता और भौतिक सुख को ही जीवन का अंतिम लक्ष्य मान लेते हैं, लोकन जिंदगी कब-कहां लेकर चली जाए, कौन जनता है। चर्चित हीरोइन का किनार अखड़े की महामंडलेश्वर बन जाना बहुत कुछ सोचने के मजबूर करता है।

ममता कुलकर्णी लंबे समय तक ग्लैमर की जिस दुनिया में रही, वह दुनिया जिनी आकर्षक दिखती है, उनी ही मुश्किल भी है। ममता का जीवन भी इससे अद्भुत नहीं रहा। जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ी, वैसे-वैसे विवाद भी उनके जीवन का हिस्सा बनते गए, लेकिन ग्लैमर और ऐरेंसे से भरी जिंदगी को छोड़ कर वैराग्य के जिस प्रस्ताव पर पहुंचने के बाद उन्होंने जिस तरह अपनी जिंदगी की दिशा बदली है, वह उनके जीवन में आए उत्तर-चाढ़ाओं को दर्शाने के लिए उन्हें उनके बावजूद नहीं है। किसी भी व्यक्ति के लिए वैराग्य का मार्ग अपनाना बहुत कठिन होता है। लेकिन ममता ने यह कदम उठाया है और अध्यात्म के जरिए आधिक शांति की खोज शुरू की है तो इसके कुछ निहितार्थ तो होंगे ही।

मायानगरी मुंबई में पहचान बनाना लाखों युवाओं का सपना होता है। हर युवा बालीबुद की चक्रांगों भरी दुनिया में प्रवेश करना और उसमें अपनी पहचान बनाना चाहता है। ममता का भी यह सपना था, जिसे उन्होंने साकार किया। नब्बे के दशक में ममता को अंदरूनी संघर्षों व चर्चित अभिनेत्रियों में एक रही। बॉलीबुद में उन्होंने ४५ हफ्ते हाथापाल की निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट रहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनाने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन यह धन्यवाच नहीं करता है। इससे विपक्ष का योग्य विभाजित हो गया। उसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशयतात्मक समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर

## आखिर पटरी पर रेल की विसनीयता कब कायम होगी?

प्रमोद भार्गव

भारतीय रेल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी युग्मता से पूर्ण बनाए जाने के दावों और वार्तों के बावजूद रेल दुर्घटनाएं घट रही हैं।

आखिर पटरी पर रेल की विसनीयता कब कायम होगी? पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह के बाद चौदह प्रातं तकनीकी दूसरों द्वारा देखी गई है।

एक तत्फ़र भारत ने मोदी युग में रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए। रेल सुरक्षा की दृष्टि से अनेक तकनीकी उपाय भी किए गए, लेकिन इसे विडेंबन्ड ही कर रहा किए गए। एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है कि बढ़े-भारत एक्सप्रेस रेल यूरोपीय, अमेरिकी और एशियाई देशों में नियर्त होने के दावे किए गए।

एक तत्फ़र भारत ने रेल में इतना विकास कर लिया है क





बॉलीवुड में कुछ ऐसी फिल्में जिनका खुपार ऑडियों के दिलों में बैठ गया है, इन्हीं में से एक %मनम तेरी कसम% फिल्म, जो हाल ही में फिर से दर्शकों के लिए थिएटर्स में रिलीज़ किया गया है। स्टारर हर्षवद्धन राणे और मावरा होकेन की सनम तेरी कसम ने भारी मांग के कारण सिनेमाघरों में शानदार वापसी की है। नी साल पहले, कुछ लोगोंने भवित्ववाली की होगी कि यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म प्रेमियों के बीच पंथ का दर्जा हासिल करेगा। अपनी पहली हिंदी फिल्म में हर्षवद्धन राणे और पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा होकेन की यह फिल्म अपने पुनर-रिलीज़ में प्रभावशाली भीड़ खींच रही है।

# लकी हूं कि सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला : कृष्ण पाटिल

फिल्म 'फेटेह' से करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री कृष्ण प्रकाश पाटिल ने अभिनेता सोनू सूद के साथ काम करने के बारे में खुलकर बात की। उनका मानना है कि कहानी कहने के प्रति सोनू सूद का समर्पण प्रेरणादायक है।

कृष्ण पाटिल खुद को लकी मानती हैं क्योंकि उन्हें न केवल अपनी पहली फिल्म में सोनू सूद के साथ काम करने का मौका मिला, बल्कि सूद ने उन्हें गाइड भी किया।

उन्होंने कहा, सोनू सूद के साथ काम करने का मौका अनुभव बढ़ाया रहा। वह एक प्रतीक्षाशाली अभिनेता और निर्देशक हैं, जिनके काम में जुनून की साथ ऊँची भी है।

उन्होंने कहा, मैं वास्तव में सह-कलाकारों से सर्वश्रेष्ठ अभिनय करना सकने की उनकी क्षमता की प्रशंसा करती हूं। इसके अलावा, उन्होंने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की और कहानी कहने के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। मैं उनके साथ काम करके खुद को लकी मानती हूं। कृष्ण पाटिल विज्ञान में स्नातक करने के बाद एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में किस्मत आजमाने के लिए मुंबई आई थीं। उन्हें अपनी पहली फिल्म के लिए प्रोडक्शन कंपनी से सीधा फोन कॉल आया था। उन्होंने बताया, मैंने पहले सोनू सूद के साथ कुछ विज्ञानों में काम किया था और उनकी प्रोडक्शन

टीम ने मुझे फेटेह के ऑफिसिन के लिए संपर्क किया। मैं चुनी गई और इस तरह मुझे पहला रोल मिला। अपने बड़े ब्रेक से पहले कृष्ण पाटिल एक मॉडल के रूप में काम कर रही थीं। उन्होंने टीवी, विज्ञानों, प्रिंट कैपेन और म्यूजिक वीडियो में काम किया। उनका पहला टेलीविजन विज्ञान अभिनेता बोमन ईरानी के साथ था।

कृष्ण पंजाबी सिंगर और अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके



प्रृथिक वीडियो 'नखरे' में भी काम कर चुकी हैं।

'फेटेह' की बात करें तो इस फिल्म को शक्ति सागर प्रोडक्शन्स और जी स्टूडियोज ने तैयार किया है। सह-निर्माता अजय धामा हैं। फिल्म का निर्देशन करने के साथ ही मुख्य भूमिका भी सोनू सूद ने निर्भाव है।

सोनू सूद के साथ फिल्म में नसीहदीन शाह, जैकलीन फनींडीज, विजय राज और दिव्यांत भट्टाचार्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

बॉक्स ऑफिस पर शाहिद कपूर की देवा की हालत पस्त, छठे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

राशन एंडरूज के निर्देशन में बनी फिल्म देवा को 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनकी अदाकारी की तारीफ हो रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है।

यह पहले दिन से ही दर्शकों को

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।

अब देवा की कमाई के छठे

दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं। आइ बताते हैं कि फिल्म ने बुधवार को कितने दिन देखा जाता है।

फिल्म के लिए साथ था।

कृष्ण पंजाबी ने अभिनेता जस्सी गिल के साथ उनके

सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई।



